परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था , मुंबई

कक्षा-छठवीं

विषय-संस्कृत **पुस्तक-रुचिरा**

शीर्षक-विद्यालयः **मॉड्यूल-1/1**

श्रीमती प्रतिभा रोकड़े (परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय–3 तारापुर)

पाठ का परिचय

- इस पाठ में सर्वनामों का प्रयोग बताया गया है।
- सबसे पहले 'एषः विद्यालयः' से यह स्पष्ट हो जाता है कि जो विभक्ति, वचन तथा लिङ्ग संज्ञा शब्द में होता है वही सर्वनाम में भी रहता है।
- विद्यालयः में प्रथमा विभक्ति , एकवचन तथा पुँल्लिङ्ग शब्द का प्रयोग है। इसका अनुसरण करते हुए सर्वनाम में भी प्रथमा विभक्ति , एकवचन तथा पुँल्लिङ्ग वाले 'एषः' पद का प्रयोग हुआ है।
- पुँल्लिङ्ग में एषः (एकवचन) तथा एते (बहुवचन) रूपों के प्रयोग बताए गए हैं।
- स्त्रीलिङ्ग में एषा (एकवचन) तथा एताः (बहुवचन) पद होते हैं।
- इसी तरह नपुंसकलिङ्ग में एतत् (एकवचन) व एतानि (बहुवचन) होते हैं।
- मध्यम पुरुष में त्वम् (एकवचन), यूयम् (बहुवचन) तथा संबंधवाचक तव (एकवचन), युष्माकम् बहुवचन का प्रयोग बताया गया है।
- उत्तम पुरुष में अहम् (एकवचन) वयम् (बहुवचन) के साथ संबंधवाचक मम (एकवचन) तथा अस्माकम् (बहुवचन) के प्रयोग को दर्शाया गया है।

****